हिन्दी - विभाग
आर० एन० कॉलेज

डॉ० कविता कुमारी सिंह

B.A, Part III

विषय - मनोवृत्ति कहानी की समीक्षा -

मुंशी प्रेमचन्द कहानी के माध्यम से मानव की मनोवृत्ति पर प्रभाव डाला है। उसमें विविधता लाने के लिए उसने पात्रों की भिन्न-भिन्न श्रेणियों का चयन किया है।

नारी को साहित्य में अबला कहा जाता है। भले ही अपनी चारित्रिक महत्ता तथा कठिन शक्ति से महान कार्य करके दिखा देती है तो भी वह अबला कहलाती है। संभवतः उसका कारण उसका नारीत्व ही है। उसकी कोई गलती हो या न हो पर एक मामूली सी बात पर उसके चरित्र पर संदेह किया जाता है। यदि नारी Sunday 22 सौभाग्य अथवा दुर्भाग्य से सुन्दर हुई तो सब उसे उस लालचाई दृष्टि से देखने लगते हैं कि जैसे उसे निगल जायेंगे।

M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S M T W T
7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

उसके दुख दर्द को बाँटने वाला कोई नहीं होगा।
लेखन ने नारी के प्रति समाज की मनोवृत्ति पर प्रकाश डालना चाहा है। उसके आदर्श के अनुसार किसी नारी के विषय में कुत्सित विचार मन में नहीं लाने चाहिए। यथार्थ को जाने बिना उसपर लांछन लगाना उचित नहीं है। हो सकता है, वह आपकी बेटी, बहन या पुत्र वधू ही निकल सकती है। जैसे अपने सम्मान की चिन्ता रहती है, वैसे ही उसके सम्मान का भी ध्यान रखना चाहिए।

'मनोवृत्ति' कहानी में नारी के संबंध में मानव-मनोवृत्ति का विश्लेषण किया गया है। एक दिन किसी झील के किनारे एक बड़े पार्क में पड़े बिलबोरी पत्थर के बेंच पर सुबह के समय कोई सुन्दर नवयौवना गहरी नींद में सोती पायी गई

उसकी मांग में सिन्दूर था और शरीर पर अच्छे वस्त्र थे। सोते में मनुष्य मृतप्राय सा हो जाता है और उसे अपने तन पर वस्त्रों की सुध नहीं रहती। स्त्रियों को इस प्रकार खुले में सोना उचित नहीं समझा जाता। पुरुष स्वाधीन है, उसे स्वाधीनता का दिखावा करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके विपरीत स्त्री अपनी स्वाधीनता का दिखावा करके मन को तसल्ली देती है। यह उसी का प्रयत्न कर रही है।

इस कहानी में प्रेमचन्द की अन्य कहानियों की भाषा-सी सरल, प्रासादिक तथा [illegible] के अनुकूल है। वह पात्रों की मानसिक [illegible] को प्रकट करने में सक्षम है। लेखन ने [illegible] नाटकीयता लाने का प्रयत्न किया है तथा उसमें सफलता भी मिली है। [illegible] प्रायः पात्र के अनुसार ही भाषा का प्र[illegible] हुआ है। मुसलमान पात्रों से उर्दू मिश्रित

लिखे लोगों के तत्सम बहुल भाषा का प्रयोग कराते हैं। अनपढ़ लोगों से तद्भव शब्दों का।

इस प्रकार विषय-वस्तु, भाव, भाषा आदि सभी तत्वों की दृष्टि से कहानी उत्कृष्ट सिद्ध होती है। कहानी पाठक के हृदय पर गहरा प्रभाव छोड़ती है। इस प्रकार हम देखते हैं कि सम्पूर्ण कहानी में यथार्थ का पक्ष प्रबल या केवल यथार्थ ही यथार्थ है, आदर्श यथार्थ के परों से ढका रह गया है।